



रेल मंत्रालय

रेल मंत्रालय और संयुक्तो राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने पर्यावरण पहल से संबंधित आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किये

Posted On: 09 MAR 2017 7:41PM by PIB Delhi

रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु की गरिमामयी उपस्थिति में रेल मंत्रालय ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संयुक्त सहयोग को औपचारिक रूप प्रदान करने के लिए आज अर्थात् 9 मार्च, 2017 को रेल भवन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर रेल राज्य मंत्री श्री राजेन गोहेन विशेष रूप से आमंत्रित थे। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन श्री ए.के. मित्तल, रेलवे बोर्ड में सदस्य (रोलिंग स्टॉक) श्री रविन्द्र गुप्ता, रेलवे बोर्ड के अन्य सदस्य और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी इस अवसर पर मौजूद थे। केन्या के नैरोबी स्थित मुख्यालय से आए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक एवं अवर महासचिव, संयुक्त राष्ट्र श्री एरिक सोलहीम भी इस अवसर पर उपस्थित थे। भारतीय रेलवे और यूएनईपी के प्रतिनिधियों ने पर्यावरण एवं स्थायित्व के क्षेत्र में संयुक्त रूप से सहयोग की व्यवस्था के अवसर तलाशने तथा इसके विकास से जुड़े आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किये तथा उनका आदान-प्रदान किया। संयुक्त पहल के लिए चिन्हित फोकस वाले क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल है :- रेलवे के प्रतिष्ठानों में पानी की खपत में 20 फीसदी की कमी को प्राप्त करने के लिए विशेष रोडमैप तैयार करने हेतु सहयोग करना। भारतीय रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र स्थापित करने के लिए एक मसौदा कार्य योजना विकसित करने में सहयोग करना। हरित प्रौद्योगिकी हेतु टिकाऊ सार्वजनिक खरीद पर भारतीय रेलवे के लिए एक मसौदा कार्य योजना विकसित करने में सहयोग करना। इस अवसर पर रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने कहा कि भारतीय रेलवे इस साझेदारी का स्वागत करती है। रेलवे में इस बात को प्राथमिकता दी जा रही है कि कार्बन के उत्सर्जन में कमी की जाए, जिससे सभी लोगों को फायदा होगा। इस साझेदारी के बाद यूएनईपी के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने हेतु व्यापक अवसर हैं। रेलवे कई हरित कदम पहले से उठा रही है और वह 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन करने जा रही है। इस संयुक्त सहयोग से भारतीय रेलवे को अपने हरित उद्देश्यों की पूर्ति में मदद मिलेगी। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक श्री एरिक सोलहीम ने कहा कि भारतीय रेलवे एक प्रतिष्ठित संगठन है, जो पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराती है। इस साझेदारी के तहत विशेष ध्यान वाले तीन प्रमुख क्षेत्र ये हैं :- अपशिष्ट प्रबंधन, जो समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है; जल की खपत में कमी, जो पर्यावरण से जुड़े मसलों के केन्द्र में हैं और सतत सार्वजनिक खरीद। भारतीय रेलवे एक प्रमुख खरीद एजेंसी है। इसके तहत और ज्यादा हरित माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री के सुधारवादी नेतृत्व में भारतीय रेलवे अवश्य ही और ज्यादा हरित एवं बेहतर परिवहन प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। ***** वीके/आरआरएस/जीआरएस-668

(Release ID: 1484009) Visitor Counter : 13

